"महाजनपदों की जानकारी"

महाजनपद	राजधानी	आधुनिक/वर्तमान क्षेत्र
1. अंग	चम्पा	भागलपुर, मुंगेर (बिहार)
2. मगध	गिरिव्रज, राजगृह	पटना, गया (बिहार)
3. काशी	वाराणसी	वाराणसी के आसपास (U.P.)
4. वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद के आसपास (UP)
5. वज्जि	वैशाली / मिथिला	वैशाली मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा आसपास
6. कोशल	श्रावस्ती	फैजाबाद, गोंडा, बहराइच UP.
7. अवंति	उज्जैन / महिष्मति	मालवा (मध्यप्रदेश)
8. मल्ल	कुशावती	देवरिया, बस्ती, गोरखपुर (UP)
9. पंचाल	अहिच्छत्र, काम्पिल्य	बरेली, बंदायू, फर्रुखाबाद UP.
10. चेदि	शक्तिमति	बुंदेलखण्ड (UP.)
11. कुरु	इन्द्रप्रस्थ	वर्तमान दिल्ली, मेरठ व हरियाणा क्षेत्र
12. मत्स्य	विराटनगर	जयपुर, अलवर, भरतपुर के आसपास
13. कम्बोज	हाटक	राजौरी व हजारा क्षेत्र
14. शूरसेन	मथुरा	मथुरा (UP)
15. अश्मक	पोटलि / पोतन	गोदावरी नदी क्षेत्र (द. भारत का एकमात्र)
16. गान्धार	तक्षशिला	रावलपिण्डी व पेशावर (पाकिस्तान)

प्रमुख जैन तीर्थंकर व प्रतीक चिन्ह

* ऋषभदेव (प्रथम) - चिन्ह : सांड
* अजितनाथ (द्वितीय) - चिन्ह = हाथी
* अरनाथ (अठारहवां) - चिन्ह - मीन
* २४ वे तीर्थंकर - महावीर स्वामी - सिंह (चिंह)
* २१ वां - नामि (चिन्ह - नीलकमल)
* २२ वां - अरिष्टनेमि (चिह्न - शंख)
* २३ वां - पार्श्व (चिन्ह - सर्प)

* जैन संगीतियां *

प्रथम - ३०० ईसा पूर्व - पाटलिपुत्र - स्थूलभद्र (अध्यक्ष)
द्वितीय - छठी शताब्दी - वल्लभी (गुजरात) - क्षमाश्रमण (अध्यक्ष)

जैन धर्म के त्रिरत्न - * सम्यक् दर्शन
* सम्यक् ज्ञान
* सम्यक् आचरण

जैन धर्म के पांच महाव्रत - * अंहिसा * सत्य वचन
* अस्तेय * अपरिग्रह
* ब्रह्मचर्य

* जैन धर्म पुनर्जन्म व कर्मवाद मे विश्वास करते है।
* जैन धर्म के सप्तभंगी ज्ञान के अन्य नाम - स्यायवाद व अनेकांतवाद
* जैन तीर्थकरो की जीवनी - भद्रबाहु द्वारा रचित कल्पद्रुम मे।

* जैनधर्म के अनुयायी राजा - उदयिन, नंदराजा, चंद्रगुप्त मौर्य, अमोघवर्ष।

* महावीर स्वामी - २४ वे तीर्थकर -, जन्म - ५४० ईपू. कुण्डग्राम वैशाली
पिता - सिद्धार्थ, माता - त्रिशला, कुल - ज्ञातृक।
→ बचपन नाम - वर्द्धमान,
→ सन्यास - 30 वर्ष की उम्र मे, ज्ञान प्राप्ती - 12 वर्ष की तपस्या बाद।

→ बौद्ध धर्म ←

* गौतम बुद्ध - बौद्ध धर्म के संस्थापक, एशिया का ज्योति पुंज।
* ↳ जन्म - 563 ई.पू., कपिलवस्तु के लुम्बिनी मे
↳ पिता - शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया।
↳ माता - मायादेवी, सौतेली मां - प्रजापति गौतमी
↳ बचपन नाम - सिद्धार्थ,
* धर्म के प्रतीक - जन्म → कमल व सांड, निर्वाण - पद चिन्ह
गृहत्याग - घोड़ा, मृत्यु - स्तूप, ज्ञान - पीपल
* 29 वर्ष की उम्र मे गृहत्याग, 6 वर्ष तक कठिन तपस्या।
* प्रथम उपदेश - सारनाथ (ऋषिपतनम्) मे, उपदेश - (धर्मचक्रप्रवर्तन)

* बौद्ध धर्म मे पुनर्जन्म की मान्यता।
* बौद्ध धर्म के त्रिरत्न - बुद्ध, धम्म, संघ'

* बौद्ध सभाएं *

* प्रथम बौद्ध संगीति -
  समय - 483 ई.पूर्व.
  स्थान - राजगृह
  अध्यक्ष - महाकश्यप
  शासनकाल - कनिष्क

द्वितीय बौद्ध संगीति
समय - 383 ई.पू.
स्थान - वैशाली
अध्यक्ष - सबाकामी
कालाशोक - के समय'

* तृतीय बौद्ध संगीति
  समय - 255 ई.पू.
  स्थान - पाटलिपुत्र
  अध्यक्ष - मोग्गलीपुत्त तिस्स
  शासनकाल - अशोक

चतुर्थ बौद्ध संगीति
समय - 100 ई.
स्थान - कुण्डलवन (कश्मीर)
शासनकाल - कनिष्क
अध्यक्ष - वसुमित्र/अश्वघोष।

* बौद्ध धर्म के दो भाग - हीनयान व महायान *
* चार आर्य सत्य - 1 दुःख 2 दुःख समुदाय 3. दुःख निरोध -
  4. दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा -

°° मौर्य साम्राज्य °°

↳ संस्थापक - चन्द्रगुप्त मौर्य (जन्म - 345 ई. पू.)
↳ सेन्ड्रोकोट्टस - जस्टिन ने कहा।
↳ वृषल शब्द का प्रयोग विशाखादत्त की मुद्राराक्षस में (चंद्रगुप्त के लिए)

→ विशाखादत्त द्वारा - मुद्राराक्षस → मेगस्थनीज की बुक - इण्डिका।
→ चाणक्य द्वारा - अर्थशास्त्र
→
→ चन्द्रगुप्त - जैन धर्म का अनुयायी था।
↳ अंतिम समय - श्रवणबेलगोला नामक स्थान पर। (298 में मृत्यु)

⇒ बिन्दुसार - अमित्रघात के नाम से।
↳ आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी।
↳ वायु पुराण में भद्रसार कहा गया।
↳ जैन ग्रन्थों में सिंहसेन कहा गया।

⇒ अशोक :-
→ 269 ई.पू. मगध की राजगद्दी पर।
→ 261 ई.पू. में कलिंग पर आक्रमण। उल्लेख 13वें शिलालेख में।
→ बौद्ध धर्म का अनुयायी।
→ भारत में सर्वप्रथम शिलालेख का प्रचलन - अशोक ने शुरू।
→ अशोक के अभिलेख पढ़ने में सबसे पहली सफलता - जेम्स प्रिंसेप (1837)

* पहले अभिलेख में - पशुबलि की निंदा।
* दूसरा अभिलेख - चिकित्सा व्यवस्था का उल्लेख।
* तीसरा - धार्मिक नियम
* चौथा - भेरीघोष व धम्मघोष की घोषणा।
* ग्यारहवां - धम्म की व्याख्या
* चौदहवां - जनता को धार्मिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित।